Sem-III
MPOLCC-11

LITERATURE REVIEW
साहित्य समीक्षा या सर्वेक्षण

Pol. Sc.
Dr. S. B. Kr.

साहित्य समीक्षा या सर्वेक्षण एक ऐसा नींव है जिसपर किसी भी सामाजिक अनुसंधान परियोजना का निर्माण किया जाता है। शोध विषय से संबंधित साहित्य समीक्षा के आधार पर शोधकर्ता शोध-विषय के संदर्भ में अपने विचारों को स्थापित करने में सक्षम हो पाता है। वह शोधकर्ता को यह सीखने को मिलता है कि संबंधित शोध क्षेत्र में दूसरे लोगों ने किस प्रकार शोध किया है और इस प्रकार वह अपने शोध परियोजना में संबंधित साहित्य समीक्षा के निहितार्थ पर आलोचनात्मक तरीके से सोचना शुरू करता है। साहित्य समीक्षा एक कठिन कार्य है क्योंकि किसी भी विषय पर पुस्तकें, आलेख, शोध-पत्र एवं अन्य दूसरे दस्तावेजों की भरमार है जिसे शोधकर्ता को पढ़ना होगा। साहित्य समीक्षा शोध के बारे में चिन्तन एवं इसकी तैयारी से ही शुरु हो जाती है और यह शोध-विषय के विकास, अनुसंधान अभिकल्प (Research design) का निर्णय, आँकड़ों का संकलन एवं विश्लेषण तक जारी रह सकता है।

साहित्य समीक्षा अपने आप में एक प्रक्रिया है और सामान्यत: इसके चार चरण होते हैं :

1.) शोध विषय के संदर्भ में पृष्ठभूमि का अध्ययन, विचारों का अवलोकन और यह देखना कि इस संदर्भ में क्या कुछ किया जा चुका है और इन सूचनाओं को अपने शोध परियोजना में केन्द्रित करना।
2.) सूचनाओं के स्रोत की विस्तार से खोज करना तथा सूचनाओं के रिकार्ड का विस्तृत ~~संकलन~~ ग्रहण (compilation).
3.) अध्ययन एवं मूल्यांकन करना जो कुछ आपने पाया।
4.) साहित्य समीक्षा के बाद संरचना तथा उत्पाद का निर्माण।

Why Reviews of the Literature (साहित्य समीक्षा क्यों) Reason

आलोचनात्मक साहित्य समीक्षा करने के पीछे अनेक कारण हैं साहित्य समीक्षा आपको शोध परियोजना में निम्न तरीके से मदद कर सकता है

1.) ~~अपने~~ शोध क्षेत्र में वर्तमान परिस्थितियों के आलोचनात्मक विश्लेषण करने में।
2.) इसके द्वारा शोधकर्ता यह जान पाते हैं कि संबंधित शोध क्षेत्र में क्या कुछ ज्ञात है। सामान्यत: शोधकर्ता उस शोधकार्य की पुनरावृत्ति नहीं करना चाहता है जो पहले हो चुका है। साहित्य समीक्षा का लक्ष्य यह देखना होता है कि जिस शोध परियोजना की बात चल रही है उसमें ज्ञान की वर्तमान स्थिति क्या है, क्या कुछ हो चुका है और भविष्य में क्या कुछ पुरा किया जा ~~सकता है~~ सकता है। कभी-कभी हमलोग कहते

Scanned with CamScanner

है कि शोधकार्य की कमियाँ देखी जा रही है अर्थात् शोधकार्य के दरम्यान कुछ ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे जो कि भूत में छूट गया या इसकी अनदेखी हुई। साहित्य समीक्षा में पुनः इस बार विचार करने का मौका मिलता है ताकि हम अपने आपको ज्ञान की वर्तमान स्थिति से इसको परिचित करा सकें।

3.) साहित्य समीक्षा के ~~द्वारा~~ माध्यम से शोधकर्ता को पूर्व में उपयोग में लाए गए विभिन्न सिद्धांतों एवं पद्धतियों (Methodology) को जानने का अवसर मिलता है। साथ ही साथ ये कितना सफल रहा ताकि हमें इसरों की गलतियाँ नहीं दुहरानी पड़े।

4.) साहित्य समीक्षा के माध्यम से दूसरे शोधकर्ताओं के द्वारा शोध कार्य में प्रयोग में लाई गई विश्लेषणात्मक ढ़ांचा (Analytical framework) एवं रणनीति को जानने का मौका मिलता है और शोधकर्ता यह निर्णय करने की स्थिति में होता है कि ~~क्या~~ क्या उसके शोधकार्य में यह सही है या नहीं।

5.) साहित्य समीक्षा ~~से~~ के द्वारा विशेषज्ञों की राय एवं विभिन्न स्रोतों के बीच तुलना करने का मौका मिलता है।

6.) शोध विषय (topic) से संबंधित शब्दकोष (Vocabulary) अथवा भाषा को सीखने का मौका मिलता है।

7.) शोध प्रश्नों को परिभाषित करने एवं इसपर विस्तृत रूप से सोचने का मौका मिलता है। ~~वो सकता है अन्य प्रश्नों का पता लगाया जा सके~~ अन्य प्रश्नों/मुद्दों की ~~पता लगाया जा~~ पहचान की जा सकती है ~~जो कि~~ जिसका कि अन्वेषण (investigation) किया जा सके।

8.) साहित्य समीक्षा व्यवहार एवं सिद्धांत के बीच संबंधों की पहचान में मदद करता है (यह शोध क्षेत्र पर निर्भर करता है)

What is Literature (साहित्य क्या है)

कुछ समय पहले तक संभवतः कहा जाता रहा कि साहित्य प्रकाशित लिखित शब्द है अर्थात् इसका अर्थ था कि वैसा कुछ जो कागज पर मुद्रित (printed) है। इसके अंतर्गत पुस्तकें, जर्नल्स, न्यूजपेपर इत्यादि की चर्चा होती है लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में इसमें इलेक्ट्रानिक स्रोत एवं दृश्य (visual) श्रव्य (audio) मीडिया को भी शामिल किया जाता है।

साहित्य एक पेचीदा एवं सम्मावेशी पद (term) है जो एक विस्तृत सूची बनाती है। इसकी प्रक्रिया काफी लंबी है और बहुत जल्दी पुरानी हो जाती है। इसके मुख्य संघटक तत्व हैं:

Scanned with CamScanner

1.) पुस्तकें (Books)
2.) Refereed Journals (संदर्भित जर्नल्स)
3.) असंदर्भित जर्नल्स (Non-Refereed Journals)
4.) शोध ग्रंथ एवं कॉन्फ्रेंस पेपर (Theses and Conference papers)
5.) समाचार पत्र (News papers)
6.) दूरदर्शन/रेडियो (Television/Radio)
7.) Grey Literature (संस्था अथवा कंपनी के द्वारा प्रकाशित प्रलेख)
8.) Official documents (कार्यालयी प्रलेख)
9.) Research Reports (शोध प्रतिवेदन)
10) The Internet (इंटरनेट)

How to Conduct ~~Literature~~ Literature Review

साहित्य समीक्षा ~~को~~ एक अनवरत क्रियाकलाप है जो अनुसंधान के दौरान ~~आपको~~ असंख्य बिन्दुओं/मुद्दों पर आपका ध्यान आकृष्ट करता है। साहित्य समीक्षा की प्रक्रिया के अंतर्गत निम्न बिंदु उल्लेखनीय हैं:

1.) विषय का चुनाव - अनुसंधान प्रश्न को परिभाषित करना
(Choose a topic Define your Research Question)
साहित्य समीक्षा आपके केन्द्रीय अनुसंधान प्रश्न से निर्देशित होना चाहिए। अतः यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अनुसंधान प्रश्न न तो लंबा-चौड़ा हो और न ही बहुत संकीर्ण हो। अर्थात् ~~इसको~~ पूरा करने योग्य होना चाहिए। शोध प्रश्न से संबंधित पदों (terms) को लिखना शुरू करना चाहिए ताकि बाद के खोजों में यह सहायक हो। संभव हो तो ~~अपने~~ शोध विषय को अपने शिक्षकों से विचार-विमर्श करना चाहिए।

2.) समीक्षा के क्षेत्र का निर्धारण (Decide on the Scope of Review)
कितने अध्ययनों को देखने की जरूरत है? इसे कितना विस्तृत (comprehensive) होना चाहिए तथा इसको पूरा करने में कितना समय चाहिए? यह ~~इस बात पर निर्भर करता है कि~~ आपके शोध की योजना पर निर्भर करेगा तथा किन-किन स्रोतों की इसमें जरूरत पड़ेगी?

3.) खोजों (searches) के अनुसार स्रोतों (database) का चुनाव (Select the database you will use to conduct your ~~sera~~ searches)
स्रोतों के चयन की एक सूची बनानी चाहिए जैसे, जर्नल्स, इंटरनेट, लाइब्रेरी इत्यादि

4.) खोजों के आधार पर साहित्य की प्राप्ति (Conduct your searches and find the Literature)
शोध अध्ययन के सारांश (abstract) की समीक्षा करना ताकि आपके शोध से संबंधित सामग्री का पता चल सके और समय की

Scanned with CamScanner

बचत हो सके। शोध अध्ययन की संदर्भ सूची (bibliography) एवं संदर्भ (References) का उपयोग करना चाहिए।

5.) साहित्य समीक्षा (Review the Literature)

1.) Reading the Literature (साहित्य को पढ़ना) - पढ़ने के क्रम में अपने आपको सावधानीपूर्वक केन्द्रित दृष्टिकोण को ध्यान में रखना चाहिए। यह शोधकर्ता को स्रोतों की पहचान में सहायता करती है जो कि किसी आलेख, अध्याय अथवा रिपोर्ट के अति महत्वपूर्ण हिस्से को फोकस करता है।

2.) रिकार्ड्स रखना (Keeping Records) → साहित्य को पढ़ने के क्रम में इसके रिकार्ड को सुरक्षित रखना चाहिए। कम से कम संदर्भ सूची की सूचनाएँ जरूर रखनी चाहिए ताकि बाद में एक संदर्भ सूची का निर्माण हो सके। इसके अतिरिक्त स्रोतों की जानकारी, आपके खुद की टिप्पणी, संभावित उद्धरण तथा मुख्य तर्क का भी रिकार्ड रखना चाहिए ताकि साहित्य समीक्षा लिखने के क्रम में इसे सामाहित (include) किया जा सके। इसके लिए कम्प्युटर साफ्टवेयर का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

3.) साहित्य समीक्षा की प्रस्तुति (Presenting the Review of Literature)

साहित्य समीक्षा के उपरांत विभिन्न तरीकों से समीक्षा की प्रस्तुति की जा सकती है। अगर आप पी-एच० डी० शोध प्रबंध (Thesis) लिख रहे हैं, जो कि परीक्षण के ~~विभिन्न~~ चरण से गुजरेगा, तो इसमें साहित्य समीक्षा को शामिल करने की जरूरत होगी। अगर आप शोध परियोजना की रिपोर्ट लिख रहे हैं तो जरूरत अलग हो सकती है। इसमें आप पृष्ठभूमि, संदर्भित सामग्री अथवा टिप्पणी-टीका (annotated) के रूप में इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

———×———

Scanned with CamScanner